



/

مظاهر تقديس الأشخاص عند الشيعة الاثنا عشرية

الطالب / عوض بن عيضة بن شريم السني الزهراني

فضيلة الدكتور / محمد حسان كسبه

/

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

Abstract

Title : Persons worshipping by Shiaa (The Twelveth). Presentation and criticism.

Researcher: Awad Bin Eidah Bin Sherim AL Seni- AL zahrani.

Degree: Master .

Plan: The research is divided into prefaces two parts and conclusion.

Objective: To illustrate the dogmatic deviation by Shiaa the Twelveth because of persons worshipping.

Summary: The study consisted of preface, two parts and conclusion as following.

Preface: in which I talked about extreme dogma and it's danger on religion.

First part: included three chapters, chapter one I worshipping meaning and some models.

Chapter two : In which I illustrated the persons worshipping and it's divisions on the light of Holy book and Sunnah, the roots of forbidden worshipping.

Chapter three: in which I defined the Shiaa twelfth and it's main creeds.

Second part: The most prominent aspects of Shiaa twelfth worshipping for their Emmams, they are completely protected.

Chapter two : Their exaggeration in absolute science by their leaders.

Chapter three: The prominent of their leaders than Holy book and Sunnah.

Chapter Four : extreme thought in their leaders creation and calling them by the hams of God.

Chapter five: Giving some kinds of worshipping for their leaders.

Chapter six : Honor of their leaders tombs and the aspects of this honor .

Chapter Seven : The position of their elders by Sunnah and the situation of the leaders themselves.

Conclusion : included the main results and recommendations as following.

- 1 - The danger of persons worshipping and it is the mean of devil by which he induced people .
- 2 - This exaggeration affected the origins of religion.
- 3 - Sunnah situation toward the prophet's relatives is moderate.

Recommendation :

- 1 - To use the all means to prevails the Sunnah creed.
 - 2 - I lustration of contrasts in the creed of Shiaa twelfth and volumes specialization.
 - 3 - To increase searching in some reeds by Shiaa as their leaders and their books.
-
-

المقدمة

:

(())

:

(())

.



:

.

.

.

.

.





:

:

.

.





:

:

:

:

:

:

:

:

:

()

:

:

:

:

:

:

:





()

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:





:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:





:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:





:

.

.

:

[= =]

.

.





.

:

:

.

.





/

·
·
·

·
·

·

·

·

·
·

·



المبحث الأول
معنى الغلو وموقف الشرع منه

چڈ ژ ژ ژ ک

ک کک گ گ گ گ چ [:]

:

()

: چک کک چ

()

)

() (

:

(/):

: ()

(/):

: ()

(/):

(/):

()

() : () :
:
() () : ()
() () : ()
... : () : ()
() () :
.

()
: [] :
: (/)
: [(/)
(/): ()
()
:] :
[(/): (/)
: ()
()
:]
[(/): (/) :
() (/): ()



:

:

:):

()

() (

): ()

() (

.....

) (

:

)

()

:

(/): :]

[(/): (/)

(/): ()

()

(/): :]

[: (/):

(/): ()

(/): ()



()

:

) :

جاء في كتابنا في

() ([:])

()

) :

() (

()

()

:]

[

:

:

()

()

[(/) : (/) : :]

(/) :

()

(/) :

: ()



:

چ ا ب پ د پ پ پ د پ پ پ پ پ پ ن ن
ن ن ن ت ن ن ن ط ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن
چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ [:]
چ ا ب پ د پ پ پ پ پ پ پ پ پ پ ن ن
ن ن ن ت ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن [:]

:

() :

چ ا ب چ : چ پ د پ پ چ :

چ پ د پ پ پ پ پ چ

()

):

:

چ ا ب چ : چ پ د پ پ چ :

:

:

()

]:

(/):

(/):

(/)

(/):

()



چ پ پ پ ن ن ن ن ت ت چ :

() (

) :

() (

) :

() (

:

:

)

:

() (

:

(/) :

()

()

(/) : [.

[(/) :

(/) :

()

(/) :

()

(/) :

()



چگ گ گ س س چ :

) :

[:]

(()) :

...

:

!

:

().(

()

(/) :

: ()

:()

() (())

)

((... :

:(

(()))

:() (

_____)

)

:]

[(/): (/):

(/): ()

(/) (/):

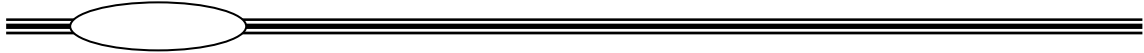
: (/)

):

(/): (

(/) (/)

(/): ()



() : :

:

:

() :

()

: چکچک گگ گگ گگ س س ٹ ٹ چ [:]

: چڑڑ ک ک د د گگ گ گ گ چکچک چ :

[

(/) : :

:

()

: :].

[(/) :

(/) : ()



)) :

:

((:

)) :

((:

) :

((:

) :

((:

) :

]

[(/): (/): (/)

(/): (/)

(/): (/)

: / : :



()

.



المبحث الثاني
تعريف الشيعة وفرقة الاثنا عشرية

() : ()
)
()

·
:
) : ()

()
) : ()

_____ : ()
(/) : ()
()

) :
(..
(/) : :]
[(/) :
(/) : ()
()

] :
[(/) (/) : (/) : :



:

() (

:

:

()

()

.

)

() (.....

(/): ()
()
()

:] .

[(/): (/): ()
: : :
:





() :

() ..

()

.

) .

() (..

)

()

[(/) : (/) : :]

(/) : ()

: ()

[(/) : : :]

: ()



() (

.
.
:
:

()

()

(/): _____ ()

: : ()

: . :

:

:

[(/): :]

()

: : .



)

...

...

() (

) :

() (

:

.

..

()

: / ()

(/) :

/ :

(/) :

/ :

()



()

:) : ()

() (

) :

. : (()) :

:

() (...

:

_____ ()

[: :]

()

(/): :]

[(/):

: ()

(/): ()



) :()

()(

()

):

:

:

()(

):

()(

.

()

(/)

:]

[(/):

(/):

:

()

:

()

:]

:

[(/):

:

(/):

()

()



) :

...

() (

)

() (

(/) : ()
(/) : ()



()
()
:
.
:
) :
:
()
()
()
()
()
(/) :
:
(/) : :] .
[:
: ()
[(/) : :]
()
[: (/) :] .
(/) : ()



() .

): ()

() (

) : ()

.....

() (

): ((

)

()

() (..

: : ()
()

(/): :].

: ()
()

(/) :].
[(/)

(/)
:
()
()

(/): :]

[(/):

(/):
:
()



التمهيد: المبحث الثاني: تعريف الشيعة وفرقة الأثنا عشرية



:

		()		

()



:

()

): ()

() (:

:) : ()

() (

):

()

:

() (

: : ()

()

[(/): (/) : :]

(/): : (/): ()

()

[(/): (/) :]

(/): ()

()

:]

(/): : (/ /):

[(/):

(/): : (/): ()

()

) :

() (

:)

() (..

()

)

() (() ((

(/) : : ()

()

() :

[(/) : /

(/) : ()

(/) : ()

()

)] :

((/ ((

) / (()

[/ ((

: ()



:

:

:

)

() (

) :

() (

()

:

()

:

()

()

:

:

(/) :

:

]. (())

[(/) :

(/) :



:

:)
()

):

:

()
()

() (.) :

):

()

):

(/): ()
: (/): ()
()

: (/): :] .

[(/)

: ()

(/): : ()

()

):

() (

:

):

:

() (

):

() (

()

:

.(

]

[(/): (/): :

:

()

:

()

()

(/) :]

[(/) (/)

(/): ()



()

) :

() (

.....) :

() () :

() (

..) :

() (

()

:

:] .

(/) :

[(/) :

(/) :

(/) :

: ()

(/) :

: ()

(/) :

:

(/) :

()

(/) :

:

:

()



() :
()

) :
()

(/) : ()
: (/) : ()



الباب الأول

التقديس (تعريفه وأقسامه وأحكامه)

وقد تضمن ثلاثة فصول وهي :

: ◎

: ◎

الفصل الأول
تعريف التقديس وبعض نماذجه

وتضمن مبحثين :

- ◎ **المبحث الأول : معنى التقديس في اللغة والاصطلاح**
 - ◎ **المبحث الثاني : نماذج لتقديس غير الأشخاص وأحكامها**
-
-



المبحث الأول
معنى التقديس في اللغة والاصطلاح

...
: :
() : :
: (())

...
() : :
: :
() : :
:

(/): ()
(/): ()
: ()





المبحث الثاني
نماذج لتقديس غير الأشخاص وأحكامها





) :

() (

()

(())

. (())

(/) : ()

: ()





)

() (

:

: / ()





() ()
): ()

..

.....

() (())

()

: ()
()

].
[(/): (/): (/): :
: ()
(/): : ()





) :

()

) :

..

()

)

()

:

...)

()

:) :

(/) : ()

(/) : ()

(/) : ()

(/) : ()

(/) :





) :

() (

)

() (

.

:

):

(/) :

(/) :

()

:

/

()





() (

:

()

()

(/) : ()
(/) : :





) :

() (

()

)

() (

)

() (

	:	/	:	()
		(/):		()
		:		()
		(/):		()
(/):				()

الفصل الثاني
تعظيم الأشخاص أقسامه وأحكامه في ضوء
الكتاب والسنة

وتضمن مبحثين :

⊙ المبحث الأول: التعظيم المشروع للنبي صلى الله عليه وسلم

وبعض مظاهره وضابطه

⊙ المبحث الثاني: التقديس غير المشروع جذوره

وظهوره بين المسلمين

المبحث الأول

التعظيم المشروع للنبي صلى الله عليه وسلم

وبعض مظاهره وضابطة

: چ د ه ه بهچ]

چؤ و

[

: و و وؤ چ [:]

چک د گ گ گ گ گ گ گ گ گ گ س س چ]

[:

: چ چ چ چ چ چ [:]

()

:)

: چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ

[:] چؤ ت ت ت ت ت ت ت ت ت ت

:)

..

(..)

(/) : : ()

: ()

: ()



_____:

چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ ی ی ت ت ت ت ت ت ت ت ت ت ز ز ز
ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک گ گ گ گ گ چ [:]

()

):

چ گ گ گ گ گ گ گ گ گ گ گ گ چ

() (

)) :

((()

:

_____ ()

[(/) : (/) : (/) : :] ()
: ()
: ()



)

چ چ چ چ چ چ : چ ق ق ق ق ق ق

()

ج ج ج ج ج ج چ چ چ چ چ چ ی ت ت ت ت ت ت] : [

) :

..

()

_____ :

چ چ ٹ ٹ ٹ ہ ہ ہ ہ ہ ہ ہ ہ ہ ہ ہ ہ : چ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ

ے ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ :] [

چ و و و

ٹ و و و و و و ی ی ی ی ی ی] [:] [)

()

:

() (/) :

() :

)

()

:)

:

()

):

()

: چڳ

ڳ ڳ ڳ ڳ ڳ ڳ ڳ ڳ ڳ [:] چڳ

(/):

()

:

()

:

()

() ()

:

)

((()

:

:

.....

() (

(()):

() (:) : ()

:

:) :

() (

()

[(/): (/): (/): :]

()

[(/): (/):]

(/): ()

(/) (/): ()

()

:]

[(/): (/): (/)

: ()

) :

() (

چأ پ پ پ پ پ پ پ
پ پ پ پ پ پ پ پ پ پ پ پ پ
چچ چ چچ چ چچ چ [:]

()

)):

:

((

(/): ()

: ()

: : ()

() :

.

:

.

() . (

)

() (

.

) () ()

: (

_____ ()

: /

: ()

()



)

..

() (

)



[(/) : (/) (/) : :] ()
() : (())
: (/) : :] [(/ /)
: ()





() (

_____ :

:

.

.

) :

() (

:

.

.

_____ (/) :

_____ :





المبحث الثاني
التقديس غير المشروع جذوره وظهوره بين المسلمين



: چۛہ ۛ ۛ ۛ ۛ ۛ ۛ ۛ ۛ ۛ ۛ [:] چۛ

:

() .

چۛ ۛ ۛ ۛ ۛ ۛ ۛ ۛ ۛ ۛ ۛ ۛ

:

[:]

:

:

.

:

:

:

(/) :

(/) :

: ()

(/) :

() .

:

)

() (..
):

جاء في قوله تعالى: ﴿لَا يَجْرِمُونَكَ لَعْنَةُ آدَمَ وَالْحَبَشَةِ أُولَئِكَ الْأَشْقَاءُ﴾

()

(/):

()

() (

()

) :

_____ : ()

: : ()



:

....

..

:

() (..



:

:

()





()

.

.

):

() (

)

:

: ()

(/): ()



) () (

() (:

.

.

) :
(())

() (

: ()
(/): ()
(/): ()

() :

:

() (

:

())

()

:

:

() (

) :

(/) :

()

[(/) :] .

()

[(/) : (/) : :]

(/) : : ()

(/) :

(/) :



() (..

) :

() (

) :

:

:

() (

:

:

:

)

() (

(/) :

:

(/) :

()

(/) :

:

(/) :

()

(/) :

()

:

()



الباب الأول: الفصل الثاني: تعظيم الأشخاص - أقسامه وأحكامه



الباب الثاني

تقديس الشيعة الاثنا عشرية لأمتهم

:

:

○

:

○

:

○

:

○

:

○

:

○

:

○



:

: (())





()

):

...

..

.....

...

() (

.

(/):

(/):

: ()

()





.

:

()

:

()

:

:

:

.

.

:

()

:

:

()

:

:

:

:

:

(/);

:

.

:



الفصل الأول اعتقادهم عصمة الأئمة

وتضمن تمهيد وأربعة مباحث :

⊙ المبحث الأول : تعريف العصمة في اللغة والاصطلاح ومجالات عصمة

الأنبياء عليهم الصلاة والسلام.

⊙ المبحث الثاني : عقيدة العصمة عند الشيعة الاثنا عشرية

⊙ المبحث الثالث : أدلتهم على عصمة الأئمة والرد عليها

⊙ المبحث الرابع : نقد عقيدة عصمة الأئمة وبيان آثار الاعتقاد بها



:

)

()

:

.

.

.

.

:

()



المبحث الأول
تعريف العصمة في اللغة والاصطلاح
ومجالات عصمة الأنبياء

:

:

:

)

....

:

:

:

.

() (..)

(())

...

:

):

() (:

:

:

:

:

):

:

:

() (:

:

:

.

(/) :

()

:

()

(/) :

()



:

.

:

) :

() (

:

.

.

.

.

) :

() (

: ()

(/): ()





:
:
):
()
()
.
) : ()
()
: ()
()

: ()
: ()
:
(/) : :] ()
[(/) : (/) : (/)
(/) : ()
()
:
].
[(/) : (/) : (/) :
(/) : ()



:

:

:



:

() ()

):

() (

() .

: ()

(/) ()

: ()





:

() () :

() :

() (

:()

):

() (

):

() (

()

[(/): (/): (/): :]

: ()

()

[(/): (/): :]

(/): ()

: ()

(/): ()



):

() (

) :

() (..

)

:

() (

)

() (

: ()

(/): ()

(/): ()

: ()



((..))

()

):

:

()(

() ()

: ()

()

(/): ()

()

: (/): :]

()

(/): :]

[:



المبحث الثاني
عقيدة العصمة عند الشيعة الاثنا عشرية

):

() (

() (

):

):

() (

() ((

)

):

() (

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()





()

)

:()

:

:

:

:

() (

()

)):

:

:

[(

(/)

:

[(/):

:

:

:

):

()

[: :].

(/)

(/):

:

()



) :

...

() (

() ()

(/) :

_____ : ()
(/) : ()

:





) :

() (

) :

() (

)

() (

() .

) :

(())

() (

:

(/) : ()

(/) : ()

: : ()

(/) : : ()

(/) : (/) : (/) : ()



) :

() (

) : ()

() (

() (

) :

(())

()

: ()

()

[(/) : :]

: ()

: ()

()



) :

() (

_____ :

:

:

)

() (

_____ : ()
: / ()





() .

:

.
) : ()

) : () (

() (

: : ()
()

: ()
: ()





: ()

. :
:
:

() ()
)

() (

):
() (

: / : ()
(/) : ()
: ()
: ()



) :

() (

: () :

:

() (

)

() (

جُو وَّ وَّ وَّ چ) :

(/) :

(/) :

()

()

:]

:

[(/)

(/) :

(/) :

()

:

()



چٲ چ چ چ [:]

() (

.
) :

() (..

) :

:

:

:

: چٲ چٲ چٲ چٲ چٲ چٲ چٲ چٲ

چٲ چٲ چٲ چٲ [:]

:

() (

) : چٲ و و و چٲ

چٲ ٹ ٹ چٲ [:]

() (

:

(/) : (/) : ()

(/) : ()

(/) : :

: ()



.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

.....
.....
.....

.....
.....
.....
.....
.....

.....
.....
.....

.....
.....
.....

.....
.....

.....
.....
.....
.....
.....





):

() (

:

...

() .

:

:

چہ طہ چہ ج چہ چہ چہ 1

_____ ()

(/) : () :



: چ ط ه

[:

ه ه ه ه ه ه ه چ [:

):

چ و و و چ

(...)

):

(

:

:

((

..))

)

(/): (

(/): (

: (



()

() (

) :

() (

چ ڈ ڈ ڈ ڈ

ژ ژ ک ی ک چ [:]

(())

) :

() (

() .

()

() :

()

:

(/) : ()

(/) : ()

: : : ()

: : : ()

()





()

:

() () :

:

:

:

:

:

:

:

:

()

()

)

()

:

: ()

:

:

: ()

(/): /

: ()

:

(/): :

: ()

(/): :

:

(/): :





) :

() (..

) :

() (

:

:

ث : ث ث ث ث

ث ث ث ك ك [:] ()

:

)

()

(())

[(/): (/): :]

:

()

()

[(/): (/): :]

:

()

()



((:))

((:)) ()

()

(())

() :

:

چ د ی ت ث ڈ ڈ ڈ ڈ ژ ژ ٹ ٹ ک چ [:]

چ گ گ گ س س ٹ چ [:]

()

()

:

:



() :

)) :

((

()

.

)

() (

)

() (

: ()

(/) : : .

(/) : : ()

: ()

: ()

: ()

):

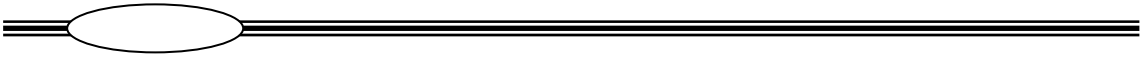
()

: _____ :

چ ت ت ت ت ت
 ف ف ف ف ف ف ف ف ف ف ف ف ف ف ف ف
 چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ
 گ گ گ گ گ گ گ گ گ گ گ گ گ گ گ گ
 [:]

:) چ ت ت ت ت ت ت ت ت ت ت ت ت ت ت ت ت

کی کچ



() (

) : ()

() (

چ ب ب ب پ پ چ [:]

چن ن ن ن ت ت ت ط ط ق ف ف ف

[:]

چ ک ک گ گ گ

گ گ گ گ چ [:]

) :

() (..

(/): ()
()

[(/): :]

(/): ()

(/): ()





:):

...

:

() (

(())

.

:

()

:

:

(/):

(/):

: ()





:

)

() (

)

((

(())

(())

(())

()

(/) : ()

(/) : : ()





:

()

()

: / : ()
: / : ()





) :

() (

: _____ :

:

:

.
) :

() (

_____ (/) : ()





_____ :

_____ :

چې ځې ځې ځې ځې ځې ځې ځې ځې ځې ځې [:]

) :

:

(..)

)

()

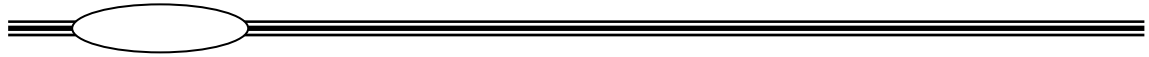
(/) : : : ()

:

:

(/) : ()

: ()



) :

() (

:

)

() (

چ چ چ چ چ چ چ

:

ت ت ت ت ت ت ت ت ت ت [:] چ

):

() (..

:

):

: ()
(/): ()
/ : ()



() (

)

() (

:

):

() (

)

() (

:

() .

: ()

: ()

(/): : ()

(/): : ()

(/): : ()





:

:

):

:

(...)

:

()

(/):

:

()

:

()

()



(()) :

)

() (

:

) :

() (

) :

: ()

: ()

() (

...

:

:

:

.

):

()

(

):

()

(

:

:

)

:

_____ ()

:

:

(/)

:

(/): ()

(/ /): ()



: ...

.

() (.. : :

.

:

() ()

):

() (

:

)

() (

:

...) :

(/) : ()

(/) : (/) : ()

: ()

(/) : ()





() (.....)

() ()

(...) :

(()) :

:





المبحث الرابع
نقد عقيدة عصمة الأئمة وبيان آثار الاعتقاد بها



()

:

() (())

:

() ()

:

(/): : ()

(/): (/): :

(/)

(/): (/): :

()



:

):

() (

(())
() : .

.....

:

....

() (

(/): ()

()

: .

:

(/): ()





() (

() ():

):

() (

:

)

() (.....

.

:

):

() (

(/):	(/):	(/):	()
(/):	(/):	(/):	()
(/)	(/):	(/):	()
		(/):	()
		(/):	()



.
()
)
(
.
):
:
()(
.
.
:
):
...

()
:
] :
[(/): (/): (/): :
()
:
()





:

() (...

):

....

() (

:

.

.

.

.

.

:

:

:

(/) :

()

:

()





) :

:

(...)

.

:

() ()

:

.

_____ : ()

(/) : ()





) :

.....

() (...

() :

)

.....

() (..

(/) :

_____ : ()

(/) :

(/) : ()





)

() (

):

() (

() (

()

):

() (

_____ : ()

(/): : ()

: ()

(/): (/): (/): ()



))) : ()
() (.. ((

() () :
...) :
() () :
.....
() (...

.

()
[(/) : (/) : (/) : :]
(/) : ()
(/) : ()
: : ()
(/) :
(/) : ()
(/) :



.

):

:

...

() (

() (

):

() (

)

_____ : ()

(/): :

(/): (/): ()



() :

:

() (

)

() (

) :

() (

:

() (

(/) :

(/) :

()

()

()

()



)

() (

)

() (

.

_____ : ()

: ()





:

) :

() (

)

() (

)

() (

.

):

() (

(/): ()

(/): ()

: / ()

: ()





الفصل الثاني

غلوهم في وصف علم أئمتهم وتفضيلهم على الأنبياء

وتضمن تمهيد وأربعة مباحث :

- المبحث الأول : اعتقادهم بالعلم المطلق للأئمة
 - المبحث الثاني : مصدر علم الأئمة وكيفية تحققه
 - المبحث الثالث : تفضيل الأئمة على الأنبياء والرسل عليهم الصلاة والسلام
 - المبحث الرابع : نقد غلو الشيعة في علم أئمتهم
-
-



:

.

:

.

.

.

.



المبحث الأول
اعتقادهم بالعلم المطلق للأئمة

:
_____):

(...)

:)

(..)

:

: : _____)

: : (/):)



) :

:

(.) ()

) :

() (

): ()

() (

) :

() (

):

()

() (

(/) : (/) : : : ()

(/) : ()

: ()

(/) : :] .

[(/) : :

: ()

: ()

()

:

(/) : :]

[(/) : :

() : ()

) :					
	:				
		() (..			
()) :			
	()				
		() (
) :			
:		:			
		...			
() (
.					
		(/) :	:	()	
		(/) :			
(/) :	:	:	:	()	
(/) :	:			()	
:	:	(/) :		()	
	(/) :	(/) :		()	



()

):

□ □ چ

چ □ □ □ □ □ □ □ □ □

() (

() () :

⋮
_____ ()
) :

:

:

() (

:

):

() (

()

[(/): (/): :]

: ()

: (/): ()

()

(/): :] (/): :

[(/): : (/): (/)

(/) : ()

(/): ()





) :

): () (

. () (

:

() (:)

()

()

.

: ()

: ()

: (/):

(/):

: : : ()





()

() () :

:

:)

:

() () :

):

() (

_____ ()

)

(

: ()

: (/) :

: (٤)



المبحث الثاني
مصدر علم الأئمة وكيفية تحققه

.

) :

:

() (

:

) :

() (

:

:

:

()

: (/) : :

(/) : :

()

[.

(/) : (/) :

[(/) :



()

:
:
:

⋮

⋮

) :

() (

) :

() (

:

:

)

() (

)

() (

(/) : : ()

: : (/) : ()

(/) : : ()

(/) : : ()

: : ()

() () :

() () :

() ()

:

() ()

) :

() () :

() () :

_____ (/) : ()

(/) : ()

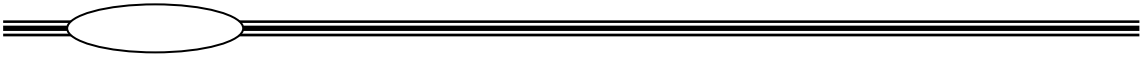
(/) : ()

: (/) : ()

(/) : ()

(/) : (/) : ()

(



)

() (

) :

() (

() (

) :

:) :

:

:

:

() (

: : (/) : ()

(/) : ()

(/) : ()

(/) : (/) : ()





):

.....

(... ()

() () :

)

() (.....)

)

() (

):

() (

)

() (:

: : (/) : : ()

(/)

: (/) : ()

(/) : ()

(/) : ()

(/) : : ()





()

):

() (..

):

() (

	:	:	()
(/):	:	:	()
	(/):	(/):	()
	:		()
	(/):	(/):	

چ ڀ ڃ ڇ ڙ : چ ڀ ڃ ڇ ڙ]

) : [:

:

(.)

):

()

:

:

()

):

()

: ()

(/): ()

(/): : ()

(/): ()



) :

() (

) :

() (

) :

() (

) :

(/) : (/) : ()

(/) : : (/) : ()

(/) : (/) : (/) : ()



..

() (:

) :

:

() (:

:

:

:

:

() (:

:

(/) :

(/) :

(/) :

(/) :



) :

() (

) :

() (

:

:

:

:

:

:

(/) :

(/) :

(/) :

(/) :



() () :

:

:

):

:

() (

):

:

:



() (

) :

:

.....

:

:

:

() (

:

)

() (

..

:

:

(/) : ()

: ()

:

:

(/) : ()





()

) :

:

() (

:

) :

: :

:

() (

:

) :

() (

(/) : : ()

: ()

: : (/) : ()

(/) : ()



() () :

() () :

() :

() () :

() () :

!

.

() :

() (/) :

() (/) :

() :



المبحث الثالث

تفضيل أئمتهم على الأنبياء والرسل عليهم الصلاة والسلام

)
() .

چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ

ت ت [:] : چ [:] :
[

() :

:



() :

:

() (

) :

() (

) :

() (

()

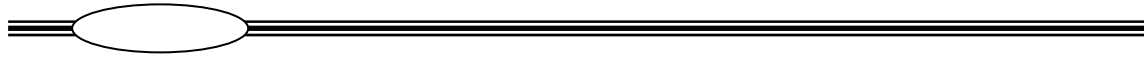
()

[(/) (/) (/) :]

: ()

: ()

: ()



) :

:

() (

) :

() (

:) :

() (

...

) :

) :

(

() (

()

[(/) (/) :]

(/) : ()

: ()

(/) : ()

(/) : ()



) :

() (

) :

() (

. () (

) :

) :

() (

(/) : ()

: ()

: ()

(/) : (/) : (/) : ()

(/) :



():

()

):

:

:

() (

:



):

() (

):

() (

:

: ()

(/):

()

(/):

()

(/):

:

:

()



:
()
):
:
()
):
()
):
.....
() (...
):
()
.....
(/): : ()
(/): : ()
(/): : ()
: : (/): ()
(/): ()



) :

() (

) :

() (

) :

() (

) :

() (....

(/):	(/):	:	()
(/):	(/):	(/):	()
		(/):	()
	:	(/):	()



.
) :
:
:

() (

(())

):
:

الباب الثاني: الفصل الثاني: علوم في وصف علم الأمة



(.....)

يا چ چ [:] :
يا چ چ [:] :
چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ [:] :
()

):
() ()

):

[:] :
چ [:] :
چ [:] :
چ پ [:] :
ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ [:] :
ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ [:] :

(/) : : ()

()

(/) : (/) : [(/) :] :
: ()

: چ گ ګ گ گ گ چ] :

[چ ا ب ب ب ب پ پ پ چ] [:
 [(([() :
 چ ت ت ت ت ت ت ت [:
 [: چ ف ف ف ف ف چ] [:

: چ ګ ګ ګ و و و و و و و چ] [:

: چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ] [:

[: چ ه ه ه ه ه ه چ] [:
 چ ن ت ت ت ت ت ت ت چ] [: (...) ()

:

[:] (()) ()

: ()



المبحث الرابع
نقد غلو الشيعة في علم أئمتهم

:

:

:

:

:

: چ □ □ ی ی ی ی

[:] چ □ □ □ □ □

[:] چ پ پ ن

..

:(.)

()

(/):

(/):

: ()

: ()





)

() (

: _____ :

.....)

....

...

() (..

: _____ ()
(/): (/): (/): ()



) :

:

() (

) :

() (...

:

:

:

.

(/) :

:

()

:

:

(/) :

()





.

:

):

() (..

):

() (

.

(/): ()

: ()





() (..)

()

:

(/) : : ()
: : : : ()
: : :





) :
() (.....

.

.

:

.

.

_____ ()
:

..

:





الفصل الثالث اعتقادهم حق التشريع للأئمة

وتضمن تمهيد وأربعة مباحث

- المبحث الأول : الأئمة مفوضون في أمر الدين تحليلاً وتحريماً
- المبحث الثاني : مشابهة الشيعة الاثنا عشرية فيما
اعتقدوه من حق التشريع لأئمتهم بما اعتقده النصارى في
أخبارهم ورواياتهم
- المبحث الثالث : موقف الاثنا عشرية من نصوص القرآن
الكريم والسنة المطهرة التشريعية
- المبحث الرابع : نقد أحقية أئمة الشيعة الاثنا عشرية في
التشريع

:

چس سٹن طڈ ڈه ه

چ [:] :

:

() :

چھ ے ے ئی ئی ڈ ڈ

ؤ وؤ چ [:]

:

:

.

المبحث الأول

الأئمة مفوضون في أمر الدين تحليلا وتحريما



:

..)

() (..

....):

() (..

:):

() (

):

() (

() .

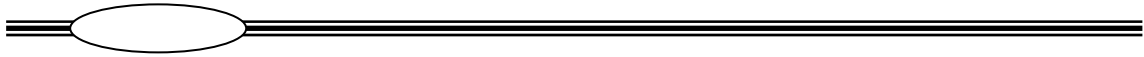
(/): (/): ()

(): ()

: : (/): (/): ()

: ()

: : ()



: :

) : چ پ پ پ پ ن ن ن [:] :

: : : : : : : : : :

: چ □ □ □ □ □ □ □ □ □ □ [:] () :

....

() (.....

: چ پ پ پ پ چ چ ن

ن ن چ

() (

):

(/): (/): (/): (/): (/): (/):

(/): (/): (/): (/):



: چپ پ پ پ ن ن ن چ [:]

()

)

()

)

()

..

.

:

:

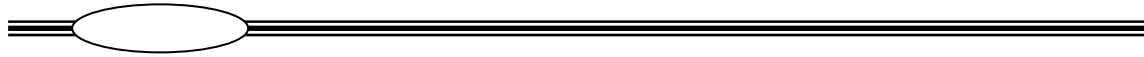
(/):

(/): ()

(/): ()

()





) :

()

:

:

() (..

.

)

) : () (

() (

()

: ()

: (/) :

(/) : (/) : :





) :

() (

() : ()

() (...

) :

() (

:

:

) :

() (

(/) : ()

(/) :

: ()

(/) :

: ()

(/) :

:

:

(/) :

()



()

()

):

:

:

() (

() :

):

(

.

(/) : _____ : ()

()

:]

[(/ /) : (/)

(/) : ()

(/) : :



چۇ ۋ

ۋ ۋ ۋ ۋ ۋ چ () .

چۇ ۋ ۋ ۋ

ۋ ۋ ۋ ۋ چ) :

() (

(3)

) :

(4) (

چۇ ۋ ۋ ۋ ۋ ۋ ۋ چ

)

() (

(/) : ()

(/) : ()

()

:]

[(/) : (/) : :

(/) : ()

(/) : ()



() : ())

:

() (

:

المبحث الثالث
موقف الاثنا عشرية من نصوص القرآن الكريم والسنة المطهرة
التشريعية

: _____ :

()

:]

[(/): (/):

()

[(/): :] (()):

(/): (/): ()



()

) :

() (..

:

) :

() (.....

) :

() (

) : ()

()

:] .

[/) : (/) : (/) :

(/) : ()

(/) : ()

(/) :

()

()

[(/) : :] ()



() (

() :

() () :

:

.

.

_____ ()

): ()

(

): :] . ()

[(/) : (/

() : ()



چ ت ت ت ت ت ت ت ت :

) : [: چ ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک ک] :

) :

(((

...)

(((

.

:

) () : :

: ... :

(/) :

()

:

):

()

:(

[: (/) :



: :

:

....

:

: ،

() (.....

()

(/):

(/):

(/):

()

:

:

()





()

)

() (

:



چاڭ گڭ وۇ وۇ وۇ وۇ

)

() (

وچا [:] :

چاڭ گڭ گڭ گڭ گڭ گڭ گڭ گڭ گڭ

() (

چا [:] :

):

() (

):

() (

(/) :

: ()

(/) :

(/) :

)): (/) :

((

(/) :

(/) :

(/) :

(/) :

()



	:)	
	()		
) :		
()			
) :		
()		(
) :		
()		()	
) :		
()			
	:		
	(/) :	(/) :	()
(/) :	:	(/) :	()
		:	
:		:	()
(/) :	(/)	(/)	
	(/) :		()
		(/) :	()
	(/) :		()
		:	()

	:			
() () :	() (
		:) :	
() () :	() (
) :	
() (
) :				
			() (
) :	
(/) :	(/) :	(/) :	()	
		(/) :	()	
		(/) :	()	
(/) :	(/) :	(/) :	()	
		:	()	
		/) :	()	



)

() (

)

() (

)

() (

() (

)

() (

)

() (

)

)

() (

-
- | | |
|--------|-----|
| (/): | () |
| (/): | () |
| (/): | () |
| (/): | () |
| (/): | () |
| (/): | () |
| (/): | () |





) :

() (

() .

:



()

()

.

):

(/) : ()

: : ()

()

(/) : ()





()
):

()

: چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ

ت ت ت ت ت [:]

()

()





: _____ :

:
()

)

() (

)

(/) : (/) : _____ : ()

:

:

()





((())

()

):

() (

):

() (...

):

(/) : ()

: : ()

: ()

: ()

() (.. _____)

):

() (..)

) :

...

... () ()

() (

(/) : ()

(٢) المرجع السابق : (٥٨ / ٢)

()

) : :] :

[(/) : (/) ()

[(/) :] : .

: ()



):

() (

):

() (

.

()

):

() (

):

(/): ()

(/): ()

: : : ()

: ()

() (..

)

() (

):

:

() (:

):

() (

: ()

: ()

(/): ()

(/): (/): ()



المبحث الرابع
نقد أحقية أئمة الشيعة الاثنا عشرية في التشريع

()

چ چ چ چ

چ چ چ چ [:]

[:] چ چ چ چ چ چ چ چ

).

چ چ ٹ ٹ ٹ ٹ ہ ہ ہ ہ [:]

چ ٹ ک :

(/):

() :

()

)

(....)

)

:

چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ ی د ت ن ڈ ٹ ڈ ڈ ژ ژ ٹ چ [:]

چ ہ ہ ہ ہ عے عے عے اٹ اٹ اٹ اٹ اٹ و و و و و و [:]

[:]

..

(/ /): ()

: ()



...

() (

)

() (

):

(/): ()
(/): ()



() (

) :

() (

):

() (

(/):

(/):

(/):

()

:

()

(/):

()



الفصل الرابع

غلوهم في أصل خلق أئمتهم وفي قدراتهم

وتضمن تمهيد وأربعة مباحث :

⊙ المبحث الأول : اعتقادهم أن الأئمة خلقوا من النور الإلهي

قبل كل شيء

⊙ المبحث الثاني : اعتقادهم بتأثير أئمتهم في الكون وما

لهم من القدرات المطلقة

⊙ المبحث الثالث : نقد الغلو في أصل خلق الأئمة وفي قدراتهم

⊙ المبحث الرابع : إطلاقهم أسماء الله وصفاته على الأئمة

ونقد ذلك



:

:





المبحث الأول
اعتقادهم أن الأئمة خلقوا من النور الإلهي
قبل كل شيء

:

:

:

):

() (.....

):

() (...

):

() (...

:

)

() (

)

() (

(/) :

:

(/) :

()

(/) :

(/) :

()

(/) :

:

(/) :

()

(/) :

:

()

:

:

:

(/) :

()

() () :

() (...)

) :

() (...

) :

...

() (

(/) :	(/) :	(/) :	()
(/) :	(/) :	(/) :	()
:		(/) :	()
		(/) :	()
	:	(/) :	()



) :

..

() ()

)

:

(

()

() (

:

:

)

() (...

):

() (...

(/) :

(/) :

:

()

:

()

:

:

()

()



) :

: :

() (

:)

:

:

() (..

):

() (

() (

)

.

:

(/) : ()

: ()

(/) :

: ()

(/) : ()

()
:
:
.....
:
:
:
:
.....
.....
:
:
.....
()
) :
:
() (:

()
[(/) : (/) : :].
: : (/) : : ()
(/) : (/)
: : ()



() : () :

....

()

....

.....

....

:

...

:

:

:

:

:

:

:

() (.

چ : :

مے مے لئی لئی ک کؤ و و و و چ [:]

:

:

:

].

:

()

[(/)

.

:

).

:

:

:

()

(

/

):

(

/

):

(

/

):

()

(

/

):





...):
() (..

:
:

() . :
)

() (...

□ □ □ □ □ □ □ □ □ □

[:] □

):

() (

(/): : (/): ()
(/): (/): : : ()
(/): (/): (/): ()
: : (/): ()

الباب الثاني: الفصل الرابع: غلوم في أصل خلق أئمتهم وقدراتهم



:

)

()

:

...

:

:

:

:

:

...

چا ق ق ق ق ق ق ق

:

چچ چ

قا قا قا قا قا قا قا [:] چ چ چ چ چ چ [:]

() ([:] [:])

):

()

)

()

:

(/): : ()

(/): (/): (/): ()

: ()

: ()



):

:

:

() (..

):

() (

:

)

() (

):

() (

: /): ()

: :

: :

: /): ()

: :

: ()

: ()



:

() ()

:) :

() (

):

() (

):

() (

چ [:] ی ی □ □ □ □ □ □ □ □

(/): ()

(/): ()

(/): ()

: ()

□ □ □ □ □ □ □ □ : چ

[:] چ □

!

) : ()

) : ()

()

:

()

:

(/): :] .

[(/):

(/):

(/):

:

:

()

(/):

:

()



) :

(...)

چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ [:] :

(())

() (

):

() (

() () :

	:		()
(/) :	(/) :		()
	(/) :		()
	(/) :		()





.....)

: ()

() () :

:

() (

.

()

(/): : : ()

: :

(/): : (/): ()





المبحث الثالث
نقد الغلو في أصل خلق الأئمة وفي قدراتهم

: :

چے مے ئے کئی کئی گؤ وؤ وؤ وؤ

چ [:]

):

()

چ چ چ

چ چ چ چ ی ی ت ت ت ت ٹ ٹ چ [:] : چ □ □ ی ی ی ی

ی □ □ □ □ چ [:]

: چ گؤ وؤ وؤ وؤ وؤ وؤ وؤ : [:] چ چ :

چ چ چ چ چ چ چ ی ی ت ت چ [:]

)

()

)

()

()

: ()

:



) :

() (

:

:

) :

:

() ((...

() ((...)) :

(/) : ()

(/ /) : ()

(()) ()

: ()



:

() (

:

:

(/): ()





.

)

() (

()

):

() (..

:

(/) : ()

: ()

: ()



()

()

) :

() (

) :

() (

) :

() (

: جآ ب ب ب ب ب ب ب ب ب ب ب ب ب ب ب ب ب

: .

()

پ پ ن ن ن چ [: :]

:

: (/) : :

:

(/) :

:



.

:

() .

() .

):

:

() (

):

() (

: ()

(/): ()

(/): ()

(/): ()



إطلاقهم أسماء الله وصفاته على الأئمة ونقد ذلك

:

:

[:] : : : : : : :

):

):

() (

:

() (

):

() (..

...

:

(/) :

(/) :

(/) :

()

:

()

(/) :

(/) :

()

() :

() (

:

) :

() (.....

) :

() (

) :

:

() (

.

):

() (...

: ()

(/) : (/) : ()

(/) : : ()

(/) : : ()

(/) : (/) : ()

(/) : (/) : ()



()
:) :
() (())
:
: (())
() ()

()
(/): :] .
[(/) (/) :
(/) : ()
: ()





:

()

چ ن ت ش ت ط ط ڈ چ [:]

()

)

() (

()

_____ : ()

(/) : ()

: ()

(/) : ()





) :
) (()) (())
(()) ((

() (

.

) :

() (

:) :

.

:

() (..

()

: ()

: ()

(/) : ()

: : ()





:

□ □ □ : چ

[:] چ

: چ ط ف فا

[:] چ □ □

:

() ()

.



الفصل الخامس
صرف بعض أنواع العبادة لأئمتهم

ويتضمن تمهيد ومبحثين :

⊙ **المبحث الأول : دعاء الأئمة من دون الله والتوسل بهم**

ونماذج لذلك

⊙ **المبحث الثاني : نقد الشيعة في صرفهم بعض أنواع**

العبادة لأئمتهم



:

):

..

() (



() () :
() () :
:
.. ...)
..
() (

) :

() (

(/) : ()
(/) : ()
(/) : () : ()
(/) : () : ()
:



) :

() (

) :

() (

) :

:

() (

: (/) :

(/) :

(/) :

(/) :

:

(/) :

()

(/)

()

()





:

: ..) :

...

() (..

:

:

)

:

() (

(/): : : ()
(/): (/): (/): ()
: (/):



) :

:

() (

) :

() (

) :

.....

....

() (..

(/) : (/) : ()
: () ()
(/) : ()
(/) : :





) :

()

...

..

...

() (

..)

: ...

...

() (..

):

() (

()

)): () :

(/) : ((

(/) : ()

(/) : ()

(/) : ()





:
()

() :
: :
()

):
() (

: : جأ ب ب ب ب ب ب] :

[

:

چیت ن ن ن ن ت ت ت ط ط ط ف ف چ] :

(()): (()) : چیت ن ن ن ن ن ن چ.. (())

: : ()
() : : ()
(/): ()
: ()
()

[(/) :]

()

(()) :



()

: :

):

() (

):

...

() (..

: چے ئے ئے ئی ئی ئی ئی و چ]

) [:

:

:

: ()

: ()

(/) : ()



:

() (

..

):

() (

):

() (

:

:

(/): ()

:

(/): ()



))

((:

:

): (()) :

:

:

(((

:

: .. :

: :



:

:

:

)):

(()

)

(()

):

_____ : ()

(/): ()





() (:

() :

.

_____ () :



الفصل السادس مظاهر تقديس قبور أئمتهم ونقده

وتضمن خمسة مباحث :

- ⊙ المبحث الأول : الاهتمام بالقبور والبناء عليها وتزيينها
 - ⊙ المبحث الثاني : تعظيم زيارة قبور أئمتهم وتفضيلها على الحج إلى بيت الله الحرام
 - ⊙ المبحث الثالث : مناسك زيارة القبور والمشاهد
 - ⊙ المبحث الرابع : تقديس البقاع التي بها قبور أئمتهم
 - ⊙ المبحث الخامس : نقد غلو الشيعة في قبور الأئمة وأضرحتهم
-
-



المبحث الأول
الاهتمام بالقبور والبناء عليها وتزيينها

:

)

()

:

):

:

:

() (...

: ()

(/):

(/):

(/): ()

(/):

:

:

(/):





) :

: ...

() (...

) :

() (

(/) : _____ ()

(/) : ()





)

() (

()

):

() (

(/) : ()

()

(/) : :]

[(/) :

(/) : /

: ()

المبحث الثاني
تعظيم زيارة قبور أئمتهم وتفضيلها على الحج إلى بيت الله الحرام

) :

() (

()

(())

()

(())

(())

()

:

()

(/): : (/): ()

(/): (/ :

(/): : ()

(/): : ()

: ()

()

:

[: (/): :] .



()

()

_____ : _____

) :
()
) :

() (

_____ ()

[(/) : :]

:

()

)

]

(

[

(/)

:

(/) :

:

()

(/) :

:

(/) :

()



() (...) :

) :

() (..

:

() (

:

() (

:

() (

)

() (:

()

(/) : ()

(/) : ()

(/) : (/) : :

:

(/) : ()

(/) : (/) :

(/) : (/) :



) :

)

() (

() (

.

() (

) :

.

) :

() (

)

() (

)

:

:

() (

: ()

(/) : ()

: ()

(/) : ()

: ()

(/) : (/) : ()





) :

()

() (

) :

() (

) :

: :

: ...

...

() (

. (/) :

: ()

(/) : : ()

(/) : (/) : : ()

(/) : (/) : : ()





):

() (

:)

() (

):

:

() (

()

)

() (..

() (

):

:

()

:

()

(/):

(/):

:

()

(/):

(/):

:

()

(/):

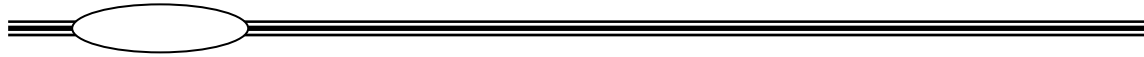
:

:

:

()





()

()

_____ :

):

() (

:

):

() (

_____ ()

:]

[

:

()

:]

):

(/):

:

[(/

:

:

(/):

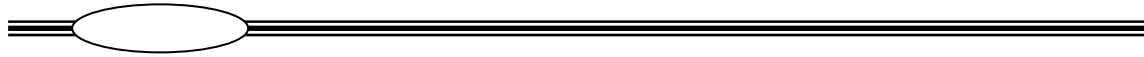
()

(/):

(/):

()





) :

() (

:) :

: :

:

: :

() (

:



:

() () :

(/) : : ()

()

[(/) : :]

: (/) : (/) : ()

(/) : : ()





) :

() (

:) :

() (

: _____

:

)

:

() (...

):

() (

(/) : : ()

(/) : (/) : ()

: : ()

: ()





) :

() (

) :

() (...

(/) : ()
(/) : ()



:

:

:

...

:

.....

..

:

.....

:

()

:

: ()



المبحث الثالث

مناسك زيارة القبور والمشاهد⁽¹⁾

)

() () :) :

() ()

:()

(()) :

()

... :) :

:

.(

:

:

(/) :

(/) : ()

:

()

:

:

()



:

:

):

):

(...)

(

(

)

):

(

):

(

(/):

(/):

(/):

(

(/)

(/):

:

(

:

(

:

(

(/)

(



):

:

() (

:) :

() (

: ()) :

()

) () (

:) :

() (..

):

() (.....

(/) : ()

: ()

()

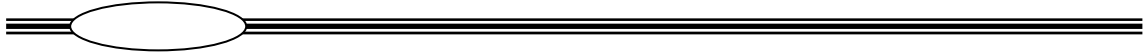
[(/) : (/) : :]

(/) : ()

: : (/) : ()

(/) : : : ()





) :

:

:

.)

):

(...)

):

(

):

چ گ گ گ گ گ گ [:] چ

)

(

((

(/) :	(/) :	:	:	()
:	:	:	(/) :	()
			:	()
			(/) :	()



.....):
:
..
:
- ...
() (..
:
.....) :
:
() (..

: (/) : : ()
(/)
(/) : (/) : ()





.

:):

:

() (

):

() (

):

() (

..

):

() (

(/):

(/):

()

(/):

(/):

()

(/):

(/):

(/):

()

(/):

()



الباب الثاني: الفصل السادس: مظاهر تقديس قبور أئمتهم ونقده



.

.

.



المبحث الرابع
تقديس البقاع التي بها قبور أئمتهم

:

):

() (

):

() (

()

:

(/)

:

(/):

()

(/)

(/ /)

:

()

:

]:

:

[:

:

:

.

(/):

:

(/):

()



)

:

)):

((()

):

:

:

:

()

()

: : : : ()
(/): (/)
(/): (/): : ()





) :
() (

) :

() (

) :

() (

() (

) :

:

) :

() (

:

:

:

(/) :

()

:

:

:

(/) :

()

:

:

()

:

:

(/) :

()

:

:

()





) :

:

() (

):

:

:

)

: ((

() (

..

.

(/) : (/) : ()

: (/) : ()





) :

() (

)

()

() (...

) :

() (..

()

()

:

()

:

()



المبحث الخامس

نقد غلو الشيعة في قبور الأئمة وأضرحتهم

:

)):

() ((.

)): ()

:

() ((

)

() (

)

() (

:

[(/) : :]

()

()

()

:

()

(/) :

()



):

() (

)

() (

.()

:

:

:

:

):

() (

(/): ()

(/): ()

: ()

(/): ()



) :

() (

:) :

() (

) :

() (

(/) : ()

: ()

(/) : ()



) :

() (

: چ چ فا فا فا فا چ چ چ

چ [:]

:

() (

() :

...

()
: ()
(/) : ()
()

[(/) : (/) : (/)]

() (

()

.

_____ : ()
(/) : : ()

()

)

() (

:

:

:

:

:

:

:

):



_____ :
) :

() (

() (_____) :

_____ :

: _____) :

(_____)

چت ت ت ت ت چ

() (.....

چت ت ت ت ت چ

_____ (/) : ()

(/) : ()

(/) : ()





):

() (

):

() (

)):

() ((

)

() (

)

() (

(/): ()

(/): ()

: ()

(/): ()

(/): ()

()

) :

() (

()

) :

() (..

()

:]

[(/) : (/) : (/) :

: ()

(/) : : ()

: : ()

:

) :

:

:

.....

() (

:

)

:

() (..

(/) : ()

(/) : ()



:

.

):

() (

):

()

()

..

() (..

(/) : ()

:

:

()

[: :]

:

()

(/) : ()





.

()

...))

() ((

)) :

() ((

: () :

()

()



الفصل السابع
مكانة أئمة الشيعة عند السلف وبيان
التعظيم المشروع لهم

وتضمن تمهيد ومبحثين :

⊙ **المبحث الأول : منزلة أئمة الشيعة عند السلف ، وبيان ما**

لهم من تقدير مشروع

⊙ **المبحث الثاني : موقف الأئمة الاثني عشر أنفسهم من**

الخلو فيهم



:



المبحث الأول

منزلة أئمة الشيعة عند السلف وبيان ما لهم من تقدير مشروع

:

.

:

.

:

:

:

)):

:)):

:

((

)):

. () ((..

:):

() (

: ()

(/): ()



() .

:

)) :
() ((

)) :

() ((

:

()

(/) :

_____ : ()

()

(/) :

()

[(/) :

(/) :

:]

()



) :

() (

:

)
() (

) :

() (

) :

() (

)

() (

: ()

(/) : ()

()

((/)) ()

: / ()



:

):

() (

):

() (

):

() (...

):

:

() (

:

:

(/): ()

:

(/): ()

:

()

(())

)

() (

:

() .

()

()

(/) : ()

(/) : (/) : ()

:

:

()

.[(- /) : :] .



() : _____ :

() () :

() () :

()

)):

() (

):

() (

(/): (/): _____ : ()

(/): (/): (/): (/):

()

()

(/): : ()

()

(/): ()





:() _____ :

)) :
() ((

((_____))
()

(/): (/): : ()
(/): (/): (/): :
(/): (/): ()
(/) :
(/)
(/): : ()



) : (())

() (

) :

() ((

() (()) :

) :

() (

) :

() ((

:

)

() (..

: ()

()

()

(/) : ()

(/) : ()

(/)

(/) :

(/) : ()



() :

() () :
:

:

() :
() :

:

..

(/) : (/) : ()
(/) :
(/) : ()
(/) : (/) : ()
(/) : (/) : (/) :



() : () :

) :

() (

() : () :

:

(/) : (/) : ()

(/) :

) : ()

(/) : (

(/) : (/) : ()

(/) : (/) :

() : () :

()

() : () :

) :
() (

(/) : (/) : ()
(/) : (/) : ()
:

[(/) : :]
(/) : (/) : (/) : ()
(/) : ()

() : () :

()

() :

: (/) : (/) : ()
(/) : (/)
: ()

[(/) : :]

() :

() :

() :

) :

()

(/) :

:

(/) :



()

: /

: ()





) :

..

() (

.





المبحث الثاني
موقف الأئمة الاثني عشر أنفسهم من الغلو فيهم

:
) :
()
) :
()
) :
()
) :
()
) :
()

(/) (/) : (/) : ()
(/) : (/) : ()
(/) : (/) : ()
(/) : (/) : ()



) :

() (..

) :

() (

...) :

() (

) :

() (

(/) :

(/) :

_____ : ()

(/) : ()

(/) : ()

(/) : ()





.

:

):

(...)

(

:

):

(

:

(/):

(

:

(

:

(





) :

:

()

:

)

((

)

() (.... ((

:

:

:

.

.





:

:

:

:

:

:

:





:

.

:

.

:

.





الفهارس العامة للبحث

وقد اشتملت على التالي:

: ●

: ●

: ●

: ●

: ●

: ●

●

أولاً : فہرس الآيات القرآنية

الآية		
سورة البقرة		
۴۴	جأ ب ب ب ب پ پ پ پ چ	۳۰
۳۰۷	چ گ گ گ گ گ گ گ گ چ	۱۱۵
۵۴	چ ت ت ت ت ت ٹ ٹ ٹ ٹ چ	۱۲۰
۱۰۱ ، ۷۶	چ ہ ہ ہ ہ ہ ہ ہ ہ ہ ہ چ	۱۲۴
۳۲۶ ، ۳۰۸	چ □ □ □ □ □ □ □ □ چ	۱۲۵
۳۲۴	چ گ گ گ گ گ گ گ گ چ	۱۴۴
۱۳۸	چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ	۱۷۲
۲۸۴	چ □ □ □ □ □ □ □ □ چ	۱۸۶
۷۰	چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ	۲۱۳
۲۹	چ □ □ □ □ □ □ □ □ چ	۲۱۹
۱۳۰	چ ڈ ڈ ڈ ڈ ڈ ڈ ڈ ڈ ڈ ڈ چ	۲۵۵
۲۱۳	چ □ □ □ □ □ □ □ □ چ	۲۵۶
سورة آل عمران		
۱۷۹	چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ	۵
۲۱۰	چ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ چ	۷
۳۳۸ ، ۶۱	چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ	۳۱
۲۲۴ ، ۶۱	چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ	۳۲
۲۵۵	چ گ گ گ گ گ گ گ گ گ گ چ	۴۹

۲۰۰	چڑڑککککککگ چ	۸۰
سورة النساء		
۱۳۸	چڑڑڑڑکککککگ چ	۳
۲۰۷	چذذذذذذڑڑڑ	۴۷
۱۹۷	چوؤوؤوؤو چ	۵۸
۲۲۵	چ□□□□□□□ ی ی ی ی چ	۵۹
۲۲۶	چچچچچچچچچچچ چ	۶۹
۱۹۰	چپپ□□□□□□ چ	۱۰۵
۳۵۵ ، ۲۱۴	چذذذذذذڑڑڑککککچ	۱۱۶
۱۱۹	چچچچچچچچچ ی ی ی ی ی ی ی ی چ	۱۶۵
۲۰۶	چپ□□□□□□□ چ	۱۷۰
۶۵ ، ۱۵	چأببببببببب چ	۱۷۱
سورة المائدة :		
۱۱۰	چچچچچچذذذڑڑ چ	۶
۲۰	چچچچچچگگگگس س س س چ	۱۷
۴۵	چھهههههههه ئے ئے ئے چ	۲۱
۲۷۹ ، ۲۸۱	چچےےےےےے ئی ئی ئی و چ	۳۵
۲۱۸	چچچچچچچچچچچ چ	۶۷
۲۰	چڑڑڑککککککگ چ	۷۳
۵۴ ، ۱۵	چأببببببببب پ پ پ پ پ چ	۷۷
۲۲۴	چچچچچچچچچ چ	۹۲
سورة الأنعام		
۱۷۷	چ ھ ھ ھ ھ ھ چ	۱۴

٢٠١	چ چ چ ی ی ی ن ن ن ن ن ن ن ن چ	١٢١
١٦٧	چ □ □ □ □ □ □ □ □	١٢٤
سورة الاعراف		
٢٨٣	چ □ □ □ □ □ □ □ □	٢٩
٢٥٥ ، ١٨٨	چ گ گ گ ن ن ن ن ن ن ن ن ه ه چ	٥٤
٢٠٧	چ ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن چ	١٧٢
٢٦٤ ، ٢١٥ ٢٦٩ ، ٢٥٧	چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ	١٨٠
١٧٩	چ ا ب ب ب ب ب ب ب ب ب ب ب ب چ	١٨٨
٢٧٨	چ و و و و و و و و و و و و و و چ	١٩٤
سورة الانفال		
٢٧٦	چ ا ب ب ب ب ب ب ب ب ب ب ب ب چ	٩
١٠٥	چ ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ه ه چ	٣٨
سورة التوبة		
٦٠	چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ	٢٤
	چ گ گ گ گ ن ن ن ن ن ن ن ن چ	٣٠
٢٠١ ، ١٩٩	چ و و و و و و و و و و و و و و چ	٣١
١١٢	چ گ گ گ گ گ ن ن ن ن ن ن ن ن چ	١٠٣
سورة يونس		
٢٨٦	چ ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ه ه چ	١٨
٢٨٦	چ و و و و و و و و و و و و و و و و و و و چ	٣١
٤٨	چ ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن ن چ	١٠١
٢٧٨	چ □ □ □ □ □ □ □ □ □ □	١٠٦

۲۷۸	چا ب ب پ پ پ چ	۱۰۷
سورة هود		
۱۱۳	چن ن ن ت ت ت ط ط ظ ف چ	۷۳
۱۱	چڈ ژ ژ ر ک ک ک چ	۱۱۲
۱۷۹	چ ک ر گ گ گ گ گ گ چ	۱۲۳
سورة يوسف		
۱۱۳	چ ک ک ک گ گ گ چ	۲۵
سورة الرعد		
۱۷۹	چ ژ ژ ر ک ک چ	۹
۲۷۷	چا ب ب پ پ پ پ پ پ پ چ	۱۴
۲۴۰	چ □ □ □ □ □ چ	۱۲
سورة ابراهيم		
۶۳	چ گ ب گ گ گ گ گ چ	۴
۶۳	چا ب ب پ پ پ پ چ	۱۱
۱۰۳	چ ف ف ف ف ف چ	۳۵
سورة الحجر		
۲۰۳ ، ۱۱۷	چ گ ب گ گ گ گ چ	۹
سورة النحل		
۲۷۸	چ چ چ چ پ پ ن ن ن ن چ	۲۰
۲۷۵ ، ۲۱۳	چ چ چ چ ج ج چ ج ج چ چ	۳۶
۱۹۳ ، ۱۹۲	چ پ پ پ پ ن ن چ	۴۳
۲۵۸ ، ۲۱۵	چ □ □ و و و و و ی ی پ چ	۵۱

سورة المؤمنون		
۲۸۶	چئے ٹ ٹ گ گ و و چ	۸۴
۲۷۷	چي پ پ □ □ □ □ □ □ □ □ □ □	۱۱۷
سورة النور		
۲۲۴	چ ر ک ک ک گ گ چ ..	۶۳
سورة الفرقان		
۶۳	چ و و ی ی پ پ □ □ □	۲۰
۲۵۹	چ □ □ ی ی ی ی □ □ □ □ □	۵۵
سورة النمل		
۱۷۹	چ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ	۶۵
۱۷۸	چ □ □ ی ی ی ی □ □ □ □	۷۵
سورة القصص		
۱۱۳	چ ب ب پ پ پ پ چ	۲۹
۵۲	چ پ □ □ □ □ □ □ □ □	۵۰
۵۹	چ و و و و و و چ	۶۸
۲۵۹	چ گ گ گ گ گ گ چ	۸۸
سورة العنكبوت		
۲۱۰	چ گ گ گ گ گ گ گ گ چ	۴۹
۲۸۷	چ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ ٹ	۶۵
سورة الروم		
۲۴۷	چ چ چ چ چ چ چ چ چ چ	۲۰

٢٥٦	چ □ □ □ □ □ چ	١٣
١٧٦	چ ت ت ت ت ت ط ط ط ط ط ق ق ق ق ق چ	١٩
سورة الغاشية		
٢٤٤	چ □ □ □ □ □ □ □ □ □ چ	٢٦-٢٥
سورة الزلزلة		
٢٤١	چ ط ط ط ق ق ق ق ق ج ج ج ج ج ج ج ج ج چ	٤-١
سورة الإخلاق		
٢٨٥	چ أ ب ب ب ب ب ب ب ب ب ب پ پ پ پ پ ن ن ن ن ن ن ت	٤-١

ثانياً : فهرس الأحاديث النبوية والآثار

[]

- ()

-----)

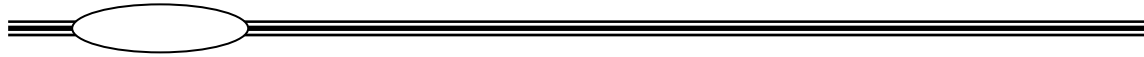
----- ()

----- :

----- ()

----- ()

----- ()



[ب]

-----)

[ح]

[خ]

٢٤٧ -----

[د]

[س]

[]

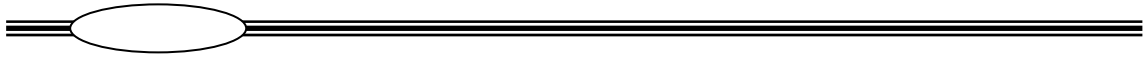
-----)

[ق]

[]

-----)





[]

[م]

:

[هـ]

[]

[و]

----- ()





[ي]

:



ثالثاً : فهرس الفرق والمذاهب

رابعاً: فهرس الأعلام المترجم لهم

[]

- ----- ()
----- ()
----- ()
----- ()
----- ()
----- ()

----- ()
----- ()
----- ()
----- ()

[ب]

- -----

[ث]

- ()

[ج]

----- ()

[ح]

----- ()
----- ()
----- ()
----- ()
----- ()

[ر]

----- ()
----- ()

[ز]



[س]

----- ()

[]

----- ()

----- ()

----- ()

----- ()

----- ()



-----)
----- ()
----- ()
----- ()
----- ()
----- ()

----- ()
----- ()
----- ()
[ف]
----- ()
[ق]

[م]
----- ()

----- ()

----- ()
----- ()



----- ()

----- ()

----- ()

----- ()

[ن]

----- ()

[هـ]

----- ()

[ي]

----- ()

----- ()



خامساً : فهارس المراجع والمصادر

_____ :

[أ]

_____ / : -

_____ : -

_____ : -

_____ : -

_____ : -

_____ : -

_____ / : -

_____ : -

_____ / : -

_____ : -

_____ : -

_____ : -

_____ : -

_____ : -

_____ : -

_____ : -

_____ : -

_____ : -

	:	-
:	:	-
:	:	-
/ :	:	-
/ :	:	-
	:	-
[ب]	:	-
/ :	:	-
:	:	-
:	:	-
/ :	:	-
:	:	-
:	:	-
[ت]	:	-
:	:	-
:	:	-
:	:	-

	[ح]		-
:	:		-
:	:		-
	:		-
	:	:	-
		:	-
:		:	-
	/ :		-
	:		-
	[خ]		-
	:		-
		:	-
:		:	-
:	/ :		-
	[د]		-
	:		-
	:		-
	/ :		-
	:		-

	/ :	-
	:	-
:	:	/ : -
:()	-
	:	-
	[ذ]	-
:	:	-
	[ر]	-
:	:	-
:	:	-
:	:	-
:	:	-
:	:	-
:	:	-
:	:	-
:	:	-
	:	-
	[ز]	-

:	:	:	-
:	:	:	-
		[س]	-
		:	-
	/ :	:	-
	/ :	:	-
		:	-
		:	-
	/ :	:	-
		:	-
:		:	-
		:	-
		:	-
		:	-
:		:	-
	:	:	-
:		:	-



[ش]

: -

: -

: -

/ : :

: -

: -

: -

: -

: -

/ : -

: -

: -

: -

: -

: -

/ : : -

: : -

: -

: -

:





: -

: -

: / : -

: : -

: : -

: : -

: -

: -

[ص]

: : -

: -

: -

: : -

: : -

: : -

: -

: -

: -

: -

: -

: -



[ض]

:

-

[ط]

:

-

:

[ع]

:

-

:

:

:

-

:

:

:()

-

:()

-

:

:

-

:

:

-

:

/ :

-

/ :

-

:



:

-

:

:

-

:

[غ]

:

-

:

/ :

-

:

[ف]

:

-

:

-

:

:

-

:

/ :

:

-

:

:

-



:	-
:	-
:	-
[ك] :()	-
/ :	-
:	-
:	-
:	-
:	-
[ل]	-
:	-
:	-
[م]	-
:	-
:	-
:	-
:	-
:	-



: :

: :

: :

: / :





: _____ :

[أ]

: -

: -

:

: -

:

: -

: -

: -

:

: -

:

: -

: -

: -

:

: -

:

: -

:

: -

:





: -

: -

: -

: -

: -

: -

: -

: -

: -

: -

: -

[ب]

: -

: -

: -

: -

: -

: -

: -





- :

:

[ت]

- :

- :

:

- :

: :

- :

:

- :

- :

: :

- :

:

- :

- :

:

- :

- :

:



	:	-
	:	-
:	:	-
:	:	-
:	:	-
[ث]	:	-
:	:	-
:	:	-
[ج]	:	-
:	:	-
:	:	-
:	:	-
: ()	:	-
:	:	-
:	:	-
[ح]	:	-
:	:	-



: :

: :

: :

: :

: :

: :

[س]

: :

: :

[ش]

: :

: :

: :

: :

: :

: :

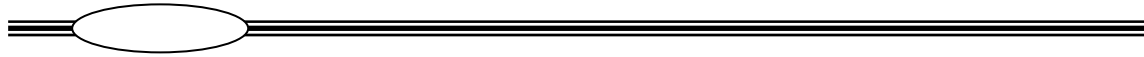
: :

: :

: :

: :





[ص]

:

:

:

:

:

[ض]

:

:

[ع]

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:





:() -

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

[غ]

:

:

:

[ف]

:





- :

:

:

-

:

:

:

-

:

:

:

-

:

:

-

:

:

-

:

:

-

:

[ق]

:

:

-

:

[ك]

:

:

-

:

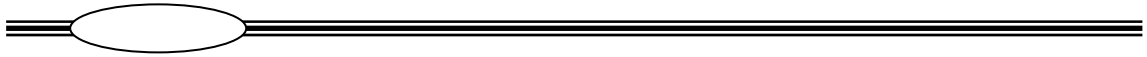
:

:

-

:





: () -

:

: :

:

:

:

:

: :

:

:

:

:

:

:

:

[ل]

:

:

:

:

:





[م]

:	:	-
	:	-
	:	-
:	:	-
	:	-
	:	-
:	:	-
	:	-
	:	-
:	:	-
	:	-
	:	-
:	:	-
	:	-
	:	-
:	:	-
	:	-
	:	-
:	:	-
	:	-



: -

: -

: -

: :

: :

: -

[و]

: -

:

: -

: :

[هـ]

: () -

:

: :

: -

:

[ي]

: -

: :

:





----- ()

----- :

----- :

----- :

- :

- :

--- :





----- ()

----- :

- :

----- ()

----- :

----- :

----- :

-



-----	:

-----	:

-----	:
-----	:
-----	:
-----	:

-----	:
-----	:
-----	:
-----	:

-----	:
-----	:
-----	:
-----	:

-----	:
-----	:
-----	:
-----	:

-----	:
-----	:
-----	:
-----	:



----- :

----- :

----- :

----- :

----- :

----- :



